पीलीभीत टाइगर रिजर्व

चर्चा में क्यों?

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (PTR) नेपाल से आने वाले गैंडों के लिये एक **नया** अभयारण्य बनने की ओर अग्रसर है, जहाँ उनके लिये स्थायी आवास स्थापित करने के प्रयास तेज़ी से चल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व का **लग्गा-भग्गा** क्षेत्र नेपाल की **शुक्लाफांटा सेंचुरी** से सटा हुआ है, जिसके कारण नेपाली गैंडे अक्सर यहाँ आवाजाही करते रहते हैं।
- इस क्षेत्र में घास के समृद्ध मैदान, **पर्याप्त जल स्रोत** और **निर्बाध वन्यजीव गलियारे** मौजूद हैं, जो इसे गैंडों की **स्थिर आबादी** के लिये एक आदर्श वातावरण बनाते हैं।
- 'प्रोजेक्ट राइनो' के तहत **असम और नेपाल से गैंडों का स्थानांतरण** किया जाएगा।
- **महत्त्व और लाभ**
  - यह परियोजना **गैंडों की घटती आबादी** को संरक्षित करने के साथ-साथ **वन्यजीव** पारिस्थितिकी तंत्र **को सशक्त** बनाएगी।
  - **पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा**, जिससे स्थानीय समुदायों की **आर्थिक स्थिति में सुधार** होगा।
  - **सुरक्षित और सीमांकित क्षेत्र** होने से गैंडों के **कृषि भूमि में भटकने की समस्या कम** होगी, जिससे किसानों और वन्यजीवों के बीच संघर्ष को रोका जा सकेगा।
- **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व:**
  - यह उत्तर प्रदेश के **पीलीभीत और शाहजहाँपुर** ज़िले में स्थित है। इसे वर्ष 2014 में टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया था।
    - वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।
  - यह ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क परिदृश्य का हिस्सा है।
  - गोमती नदी इस रिज़र्व से निकलती है, जो **शारदा, चूका और माला खन्नोट** जैसी कई अन्य नदियों का जलग्रहण क्षेत्र भी है।
  - यह असंख्य जंगली जानवरों का घर है, जिनमें लुप्तप्राय बाघ**, दलदल हिरण, बंगाल फ्लोरिकन, हॉग हिरण,** तेंदुआ आदि शामिल हैं।

प्रोजेक्ट राइनो

- भारत में **प्रोजेक्ट राइनो** एक महत्वपूर्ण संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य घटती आबादी वाले एक सींग वाले गैंडों को बचाना है।
- इसकी शुरुआत **1980 के दशक** में हुई थी, जब गैंडों के विलुप्त होने के खतरे को गंभीरता से पहचाना गया।
- यह एक **बहुआयामी कार्यक्रम** के रूप में विकसित हुआ, जिसमें **आवास संरक्षण**, **सामुदायिक सहभागिता**, **कानूनी प्रवर्तन** और **वैज्ञानिक अनुसंधान** जैसी प्रमुख रणनीतियाँ शामिल हैं।

//

गैंडा RHINOCEROS

विश्व गैंडा दिवस- 22 सितंबर (2010 में WWF द्वारा घोषित)

गैंडे की 5 मुख्य प्रजातियाँ			
प्रजातियाँ	क्षेत्र, जहाँ पाए जाते हैं	IUCN की रेड लिस्ट में स्थिति	आवास
अफ्रीकन व्हाइट	अफ्रीका	संकट के निकट	लंबी और छोटी घास वाले सवाना क्षेत्र
अफ्रीकन ब्लैक	अफ्रीका	गंभीर रूप से संकटग्रस्त	अर्ध-रेगिस्तानी सवाना
एक सींग वाले गैंडे	एशिया	सुभेद्य	उष्णकटिबंधीय घास के मैदान
जावा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय वन
सुमात्रा	एशिया	गंभीर रूप से संकटग्रस्त।	सवाना की तरह ही

उजुंग कुलोन नेशनल पार्क (यूनेस्को WHS)
पृथ्वी पर अंतिम शेष जंगली जावा राइनो का घर है

एक सींग वाले गैंडे

केवल भारत में पाई जाने वाली प्रजाति (इंडियन राइनो)

विशेषताएँ

- 5 प्रजातियों में से सबसे बड़ी प्रजाति
- एक काली सींग और त्वचा की सिलवटों के साथ एक भूरे रंग की खाल से पहचाना जाता है

खतरे

- सींगों के लिये अवैध शिकार
- आवास की क्षति
- आनुवंशिक विविधता में कमी

संरक्षित क्षेत्र (भारत)

- **उत्तरप्रदेश :**
  - दुधवा टाइगर रिज़र्व
- **पश्चिम बंगाल :**
  - जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान
  - गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- **असम:**
  - पवितोरा वन्यजीव अभ्यारण्य
  - ओरंग राष्ट्रीय उद्यान
  - कानीरंगा राष्ट्रीय उद्यान(गैंडों की अधिकतम संख्या: ~2400)
  - मानस राष्ट्रीय उद्यान

संरक्षण प्रयास (भारत)

- राष्ट्रीय राइनो संरक्षण रणनीति
- इंडियन राइनो विज़न 2020 (2005 में लॉन्च)

एशियाई गैंडों पर नई दिल्ली घोषणा 2019
5 राइनो रेंज के 5 देशों (भारत, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया) द्वारा हस्ताक्षरित

दृष्टि The Vision | d
Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pilibhit-tiger-reserve-3